Shri Raghunatha Temple MSS. L[illegible]
JAMMU

No. २७६२ क

Title शारिकास्तोत्रम्

Author

Extent ५ पत्र Age

Subject स्तोत्र

© Dharmartha Trust. Digitized by eGangotri

6095
F-4 Complete

शारिकास्तो·

नं· १७६३

© Dharmartha Trust. Digitized by eGangotri

श्रीशारिकाभगवत्यैनमः॥ ओंबीजैः
सप्तभिरुज्ज्वलाकृतिरसौयासप्तस
प्तद्युतिः॥ सप्तर्षिप्रणतांघ्रिपंकज॰
युगायासप्तलोकार्तिहृत्॥ काश्मी
रप्रवरेशमध्यनगरेप्रद्युम्नपीठे॰

© Dharmartha Trust. Digitized by eGangotri

पा
१

स्मिता ॥ देवीसन्नकसंयुक्ताभगवती
श्रीशारिकापातुनः ॥ ॐजयभगव
ति ॥ विन्ध्यवासिनि ॥ कैलासवासिनि
श्मशानवासिनि ॥ ॐकारिणि ॥ का
लायनि ॥ कात्यायनि ॥ हिमगिरि

© Dharmartha Trust. Digitized by eGangotri

तनये ॥ कुमारमाता ॥ गोविन्दभगि
नि ॥ शितिकंठभरणे ॥ अष्टादशभु
जे ॥ भुजगवलयमंडिते ॥ केयूरहारा
भरणे ॥ जय ॥ खड्ग ॥ त्रिशूल चक्र डम
रु ॥ मुद्गर ॥ चषक ॥ कलश ॥ शर ॥ चाप

© Dharmartha Trust. Digitized by eGangotri

पा॰
२

वरदाभय॥पाश॥अंकुश॥कपा
ल॥खट्वांग॥गदा॥मुसल॥तोमर
वरहस्ते॥कृपापरे॥भूतविधायि
नि॥चंडिके॥चंडघंटे॥किरातवी॰
र्यै॥ब्रह्माणि॥रुद्राणि॥नारायणि

© Dharmartha Trust. Digitized by eGangotri

ब्रह्मचारिणि॥ दिव्यतपोविधायि
नि॥ वेदमाता॥ गायत्रि॥ सावित्रि ५
सरस्वति॥ सर्वाधारे॥ सर्वस्वरूपे ५
सर्वेश्वरि॥ विश्वेश्वरि॥ विश्वकर्त्री ५
समाधिविश्रान्तमधि॥ चिन्माधि

© Dharmartha Trust. Digitized by eGangotri

पो॰
३
3

चिन्तामणिस्वरूपे ॥ कैवल्ये केश
वस्वरूपे ॥ शिवे निराश्रये निराम
यपदे ॥ ब्रह्मविष्णुमहेश्वरनमिते
मोहनि ॥ तोषणि ॥ भयंकरनाशि
नि ॥ काले ॥ कालकिंकरमथनि १

© Dharmartha Trust. Digitized by eGangotri

कालाग्निशिवे ॥ कालरात्रे ॥ अजे
नित्ये ॥ सिंहरते ॥ महारते ॥ योगार
ते ॥ योगेश्वरनिमित्ते ॥ भक्तजनेभ
क्तिजनवत्सरे ॥ हरप्रिये कारुण्ये
दुर्गे ॥ दुर्जये ॥ हिरण्ये ॥ शरण्ये ॥ हिते

© Dharmartha Trust. Digitized by eGangotri

शारिकेजहमेदयाम् ॥ प्रद्युम्न १
शिखरासीनंमातृचक्रोपशोभि
तं ॥ पीठेश्वरींशिलारूपांशारिकां
प्रणमाम्यहं ॥ श्रमाचैववज्रकामा
चचार्वंगीटंकधारिणी ॥ ताराच १

© Dharmartha Trust. Digitized by eGangotri

पार्वतीचैवयक्षिणीशारि-
काष्टमी ॥ ॥ इति श्री शारिका
स्तोत्रम् ॥ ॐ ॥

© Dharmartha Trust. Digitized by eGangotri

८५

© Dharmartha Trust. Digitized by eGangotri